प्रेह विहार मंदिर विवाद: थाईलैंड-कंबोडिया सीमा तनाव और अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय (ICJ) के फैसले

चर्चा में क्यों?

- वर्ष 2025 में प्रेह विहार मंदिर के पास थाईलैंड और कंबोडिया के बीच **हुई सीमाई झड़पों** ने अनसुलझे क्षेत्रीय विवाद को फिर से गरमा दिया है, बावजूद इसके कि पहले अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय (ICJ) इस पर अपना फैसला दे चुका है।

ख़बरों के बारे में अधिक

- यह विवाद यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल (UNESCO World Heritage Site) **प्रेह विहार मंदिर के आसपास के क्षेत्रों पर संप्रभुता** को लेकर केंद्रित है।
- 1962 और 2013 में ICJ के फैसले कंबोडिया के पक्ष में आने के बावजूद, सीमांकन और सेना की तैनाती को लेकर **अस्पष्टता अभी भी बनी हुई है।**
- मलेशिया और संयुक्त राज्य अमेरिका के राजनयिक हस्तक्षेप सहित युद्धविराम के प्रयासों ने अस्थायी राहत प्रदान की है, लेकिन **उल्लंघन जारी है**, जो इस वन-आच्छादित सीमा क्षेत्र की नाजुक सुरक्षा स्थिति को उजागर करता है।

पृष्ठभूमि: प्रेह विहार सीमा विवाद

- **औपनिवेशिक युग की उत्पत्ति:** इस विवाद की जड़ें औपनिवेशिक काल में हैं।
  - 1904 की **फ्रांको-सियामी संधि** (Franco–Siamese Treaty) ने दंग्रेक जल विभाजक क्षेत्र (Dangrek watershed) को सीमा के रूप में निर्धारित किया था (जो थाईलैंड के पक्ष में था)।
    - हालांकि, फ्रांसीसी सर्वेक्षकों के **1907 के नक्शे** में मंदिर को कंबोडियाई क्षेत्र में दिखाया गया था।
- **1962 का ICJ फैसला:** कंबोडिया की स्वतंत्रता के बाद, ICJ ने 1962 में फैसला सुनाया कि प्रेह विहार मंदिर **कंबोडिया का है** और थाईलैंड को अपनी सेनाएँ वापस बुलाने का आदेश दिया।
- **तनाव में वृद्धि:** मंदिर के आसपास की ज़मीन पर अस्पष्टता बनी रही, जिससे समय-समय पर झड़पें होती रहीं।
  - 2008 में, कंबोडिया द्वारा मंदिर को यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के रूप में नामित करने से तनाव और बढ़ गया।
- **2013 का ICJ फैसला:** ICJ ने 2013 में **संपूर्ण उच्चभूमि** (entire promontory) पर कंबोडिया के दावे की पुन: पुष्टि की।
  - न्यायालय ने **विसैन्यीकृत क्षेत्र** (demilitarised zone) का सुझाव दिया और द्विपक्षीय सहयोग का आह्वान किया, हालाँकि थाईलैंड ने ICJ के अधिकार क्षेत्र को अस्वीकार कर दिया था।

प्रेह विहार मंदिर के बारे में

- **काल और देवता:** यह 11वीं शताब्दी का **हिंदू मंदिर** है, जो खमेर राजाओं सूर्यवर्मन प्रथम और द्वितीय द्वारा बनवाया गया था और **भगवान शिव को समर्पित** है।
- **स्थान:** यह कंबोडिया के प्रेह विहार प्रांत में, **दंग्रेक पर्वत** (Dangrek Mountains) शृंखला में थाईलैंड-कंबोडिया सीमा के पास स्थित है।
- **वास्तुकला:** यह अपनी **उत्तर-दक्षिण रैखिक व्यवस्था** के लिए वास्तुकला की दृष्टि से अद्वितीय है, जो अधिकांश पूर्व-मुखी खमेर मंदिरों से अलग है।
- **दर्जा:** इसे 2008 में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के रूप में अंकित किया गया था।
- **महत्व:** यह कंबोडिया और थाईलैंड दोनों के लिए गहरा धार्मिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय महत्व रखता है।

मंदिर और भारत

प्रेह विहार मंदिर दक्षिण पूर्व एशिया में भारत के मजबूत **सभ्यतागत और सांस्कृतिक प्रभाव** को दर्शाता है:

- **धार्मिक प्रभाव:** यह शैव हिंदू परंपराओं का पालन करते हुए, **भगवान शिव को समर्पित** है।
- **भारतीयकरण (Indianisation):** यह उस व्यापक घटना का हिस्सा है जहाँ भारतीय धर्म, भाषा और संस्कृति व्यापार, विद्वानों और पुजारियों के माध्यम से दक्षिण पूर्व एशिया में फैली थी।
- **वास्तुशिल्प संबंध:** इसमें भारतीय मंदिर अवधारणाएँ, **पवित्र पर्वत प्रतीकात्मकता (मेरु पर्वत)**, हिंदू ब्रह्मांड विज्ञान (cosmology) और देवी-देवताओं की प्रतिमाएँ (iconography) शामिल हैं।
- **संस्कृत शिलालेख:** कई शिलालेख **संस्कृत** में हैं, जो खमेर राजाओं द्वारा भारतीय भाषा और प्रशासनिक विचारों को अपनाने को दर्शाते हैं।

@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806

निष्कर्ष: प्रेह विहार, अंगकोर वाट, माई सोन और बोरोबुदुर की तरह, वृहत्तर भारतीय सांस्कृतिक क्षेत्र (Greater Indic cultural sphere) का एक हिस्सा है, जो भारत की प्राचीन सॉफ्ट पावर (Soft Power) और सांस्कृतिक कूटनीति को प्रदर्शित करता है।

यूपीएससी प्रासंगिकता: यह भारत की राजनीतिक सीमाओं से परे उसके सांस्कृतिक और सभ्यतागत प्रभाव को प्रदर्शित करता है।

प्रेह विहार (Preah Vihear) पर आधारित UPSC प्रीलिम्स–शैली अभ्यास प्रश्न (हिंदी अनुवाद)

प्रश्न 1. प्रेह विहार मंदिर के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह 11वीं शताब्दी का एक हिंदू मंदिर है, जो भगवान शिव को समर्पित है और इसका निर्माण खमेर (Khmer) शासकों द्वारा कराया गया था।
2. यह कंबोडिया–थाईलैंड सीमा के पास थाईलैंड में स्थित है।
3. यह एक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है।

उपरोक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

A. केवल 1 और 3

B. केवल 2 और 3

C. केवल 1 और 2

D. 1, 2 और 3

सही उत्तर: A

प्रश्न 2.थाईलैंड और कंबोडिया के बीच प्रेह विहार मंदिर विवाद का मुख्य कारण क्या है?

A. दोनों देशों के बीच धार्मिक मतभेद

B. औपनिवेशिक काल की सीमा निर्धारण प्रक्रिया और मानचित्र संबंधी विसंगतियाँ

C. डांगरेक पर्वत श्रृंखला में प्राकृतिक संसाधनों का दोहन

D. यूनेस्को विश्व धरोहर सूची की अलग-अलग व्याख्याएँ

सही उत्तर: B

IAS-PCS Institute
Result Mitra
रिजल्ट का साथी
@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806